

कविता गाओ



अनार है लाल - लाल



आम है पीला



इमली खाई मीठी-खट्टी

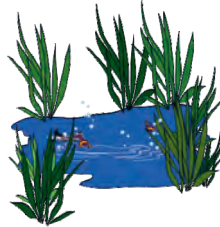


ईख मीठा और रसीला ।



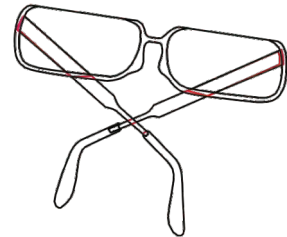
उल्लू बोले आधी रात

ऊद रही पानी में नाच



एक एड़ी अभी दिखाओ

ऐनक पहनकर मत इतराओ ।



ओखली में कुटता है धान

औरत करे बहुत-से काम

अ से औ तक बोल लिए

हमने हैं सब याद किए ।

